Cambridge International A Level

Cambridge International Examinations
Cambridge International Advanced Level

HINDI **9687/04**

Paper 4 Texts **October/November 2017**

2 hours 30 minutes

No Additional Materials are required.

7170198360

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

An answer booklet is provided inside this question paper. You should follow the instructions on the front cover of the answer booklet. If you need additional answer paper ask the invigilator for a continuation booklet.

Answer any **three** questions, each on a different text. You must choose **one** question from Section 1, **one** question from Section 2 and **one other**.
Write your answers in **Hindi**.
Dictionaries are **not** permitted.
You may **not** take set texts into the examination.

You should write between 500 and 600 words for each answer.
All questions in this paper carry equal marks.

पहले इन निर्देशों को पढ़िए:

इस प्रश्न-पत्र के भीतर उत्तर-पुस्तिका दी गई है| उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखे निर्देशों का अनुसरण करें| यदि आपको अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका चाहिए तो निरीक्षक से माँग लें|

किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक प्रश्न भिन्न-भिन्न पाठ्य-पुस्तक से चुने जाने चाहिए| **भाग 1** से एक प्रश्न, **भाग 2** से एक प्रश्न करना अनिवार्य है| और एक अन्य प्रश्न किसी भी भाग से चुना जा सकता है|
अपने उत्तर **हिन्दी** में लिखें|
शब्दकोश का प्रयोग मना है|
आप परीक्षा में निर्धारित पाठ्य-पुस्तक **नहीं** ले जा सकते हैं|
आपका प्रत्येक उत्तर 500 से 600 शब्दों के बीच लिखा जाना चाहिए|
इस प्रश्न-पत्र के सभी प्रश्नों के अंक एक समान हैं|

This document consists of **6** printed pages, **2** blank pages and **1** Insert.

DC (LK/SW) 136856/3
© UCLES 2017

CAMBRIDGE
International Examinations

उत्तर-पुस्तिका का निर्देश:

उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर खाली खानों को भरें|
गहरे नीले या काले रंग की स्याही से लिखें|
किसी भी बारकोड के ऊपर न लिखें|
अपने उत्तर उत्तर-पुस्तिका में लिखें| पृष्ठ के दोनों तरफ लिखें| कृपया प्रत्येक प्रश्न के उत्तर और दूसरे उत्तर के बीच दो पंक्तियाँ खाली छोड़ें|
जिस प्रश्न का उत्तर लिख रहे हैं उसकी प्रश्न-संख्या पहले हाशिये में लिखें|

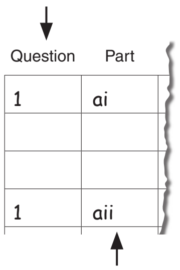

आप जिस प्रश्न का उत्तर लिख रहे हैं, यदि उसके कई भाग हैं, उदाहरण के लिए **1 (a)**, उस भाग को हाशिये के दूसरे भाग में लिखें|
यदि आपने अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका का उपयोग किया है तो उसे अपनी उत्तर-पुस्तिका के साथ लगा दें|

BLANK PAGE

भाग 1

1 सूरसागर सार - सूरदास और श्री रामचरितमानस - तुलसीदास

प्रश्न (a) और (b) में से केवल एक प्रश्न का उत्तर दीजिए।
कीजिए।

(a)
बरु भल बास नरक कर ताता। दुष्ट संग जनि देइ बिधाता ||
अब पद देखि कुसल रघुराया। जौं तुम्ह कीन्हि जानि जन दाया ||
तब लगि कुसल न जीव कहुँ सपनेहुँ मन बिश्राम।
जब लगि भजत न राम कहुँ सोक धाम तजि काम ||
तब लगि हृदयँ बसत खल नाना। लोभ मोह मच्छर मद माना ||
जब लगि उर न बसत रघुनाथा। धरें चाप सायक कटि भाथा ||
ममता तरुन तमी अँधिआरी। राग द्वेष उलूक सुखकारी ||
तब लगि बसति जीव मन माहीं। जब लगि प्रभु प्रताप रबि नाहीं ||
अब मैं कुसल मिटे भय भारे। देखि राम पद कमल तुम्हारे ||
तुम्ह कृपाल जा पर अनुकूला। ताहि न ब्याप त्रिबिध भव सूला ||

सुन्दरकाण्ड

उपरोक्त कथन कौन, किससे और किस संदर्भ में कह रहा है? इसकी सप्रसंग व्याख्या करते हुए तुलसीदास की भक्ति-भावना पर टिप्पणी कीजिए।

[25]

या

(b) 'सूरसागर' में उद्धव द्वारा गोपियों के लिए निर्गुण की उपासना का संदेश भेजने के पीछे श्री कृष्ण का क्या उद्देश्य था? 'उद्धव-गोपी-संवाद' के पाठ्यक्रम में निर्धारित अंश से उदाहरण देते हुए स्पष्टीकरण कीजिए।

[25]

2 प्रसाद निराला महादेवी पंत की श्रेष्ठ रचनाएँ

प्रश्न (a) और (b) में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का उत्तर दीजिए|

(a)

तुम कनक किरण के अंतराल में
लुक-छिप कर चलते हो क्यों?

नत मस्तक गर्व वहन करते
यौवन के घन, रस-कन ढरते|
हे लाज भरे सौन्दर्य! बता दो
मौन बने रहते हो क्यों?

अधरों के मधुर कगारों में
कल-कल ध्वनि की गुंजारों में!
मधुसरिता-सी यह हँसी तरल
अपनी पीते रहते हो क्यों?

बेला विभ्रम की बीत चली
रजनीगंधा की कली खिली-

अब सान्ध्य – मलय – आकुलित
दुकूल कलित हो, यों छिपते हो क्यों?

सौंदर्य

उपरोक्त कविता की सप्रसंग व्याख्या करते हुए उसकी भाषा एवं बिम्ब-विधान का विश्लेषण कीजिए|

[25]

या

(b) 'ताज' एवं 'दो लड़के' शीर्षक कविताएँ सुमित्रानन्दन पंत की यथार्थवादी विचारधारा और छायावाद की भाषा-शैली को किस प्रकार से अभिव्यक्त करने में सक्षम हैं? दोनों कविताओं के उदाहरण सहित अपने विचार लिखिए|

[25]

© UCLES 2017

3 मैथिलीशरण गुप्त - भारत-भारती

प्रश्न (a) और (b) में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का उत्तर दीजिए।

(a) भू-लोक का गौरव, प्रकृति का पुण्य लीला-स्थल कहाँ?
फैला मनोहर गिरि हिमालय और गंगाजल जहाँ।
सम्पूर्ण देशों से अधिक किस देश का उत्कर्ष है?
उसका कि जो ऋषिभूमि है, वह कौन? भारतवर्ष है।।

हाँ, वृद्ध भारतवर्ष ही संसार का सिरमौर है,
ऐसा पुरातन देश कोई विश्व में क्या और है?
भगवान की भव-भूतियों का यह प्रथम भण्डार है,
विधि ने किया नर – सृष्टि का पहले यहीं विस्तार है।।

यह पुण्यभूमि प्रसिद्ध है इसके निवासी 'आर्य्य' हैं,
विद्या, कला-कौशल्य सबके जो प्रथम आचार्य्य हैं।
संतान उनकी आज यद्यपि हम अधोगति में पड़े ;
पर चिन्ह उनकी उच्चता के आज भी कुछ हैं खड़े।।

अतीत खण्ड

उपरोक्त काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या करते हुए 'भारत-भारती' की मूल संवेदना पर टिप्पणी कीजिए।

[25]

या

(b) 'भारत-भारती' के पाठ्यक्रम में निर्धारित 'वर्तमान खण्ड' के अंश के उदाहरण सहित लिखिए कि वह आधुनिक भारत की सामाजिक स्थिति को कहाँ तक प्रतिबिम्बित करता है। [25]

<u>भाग 2</u>

4 आधे-अधूरे - मोहन राकेश

प्रश्न (a) और (b) में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का उत्तर दीजिए।

(a) 'आधे-अधूरे' नाटक की सावित्री आधुनिक नारी के संश्लिष्ट चरित्र को किस प्रकार से प्रतिबिम्बित करती है?

[25]

या

(b) साहित्यिक विधा के रूप में नाटक में संवाद का क्या महत्व है? 'आधे-अधूरे' नाटक के संवाद के उदाहरण द्वारा लिखिए कि पात्रों के संवाद नाटक की मुख्य समस्या को कितनी सफलता से प्रस्तुत करते हैं।

[25]

5 आधुनिक कहानी संग्रह - सरोजिनी शर्मा

प्रश्न (a) और (b) में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का उत्तर दीजिए।

(a) 'कलाकार' कहानी की कथावस्तु के आधार पर उसकी मूल संवेदना पर अपने विचार लिखिए।

[25]

या

(b) 'रानी माँ का चबूतरा' शीर्षक कहानी में मन्नू भण्डारी गुलाबी के एकाकीपन और संघर्ष के चित्रण में कहाँ तक सफल हैं? [25]

6 मॉरिशसीय हिंदी कहानियाँ - सम्पादक: अभिमन्यु अनत

प्रश्न (a) और (b) में से <u>केवल एक प्रश्न</u> का उत्तर दीजिए।

(a) 'चाहे-अनचाहे' कहानी के नायक का चरित्र-चित्रण करते हुए उसके मानसिक संघर्ष का विश्लेषण कीजिए। [25]

या

(b) रामदेव धुरंधर की 'विष-मंथन' कहानी का कथाशिल्प की कसौटी पर मूल्यांकन कीजिए।

[25]

© UCLES 2017

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

To avoid the issue of disclosure of answer-related information to candidates, all copyright acknowledgements are reproduced online in the Cambridge International Examinations Copyright Acknowledgements Booklet. This is produced for each series of examinations and is freely available to download at www.cie.org.uk after the live examination series.

Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.